

# डॉ. डोनल फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 2, मेसोपोटामिया और इज़राइल की स्थलाकृति

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 2 है, मेसोपोटामिया और इज़राइल की स्थलाकृति।

हमारे दूसरे सत्र में आपका पुनः स्वागत है। हम पहले वाले में थोड़े लंबे समय तक चले, इसलिए अब हम इसे एक घंटे से भी कम समय में सीमित करने का प्रयास करेंगे। हम जो करना चाहते हैं वह यह स्पष्ट करने का प्रयास करना है कि पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी की स्थलाकृति ईश्वर द्वारा बनाई गई है, कम से कम बाइबल के दृष्टिकोण से। बाइबल में उस परिप्रेक्ष्य में, ईश्वर निर्माता है, लेकिन इसलिए, यह इस प्रकार है कि वह इस दुनिया के निर्माण के माध्यम से, स्थलाकृति के माध्यम से अपनी योजना को पूरा करता है।

यह हमारे समय के लायक है, और मुझे विश्वास है कि आप मुझसे सहमत होंगे। स्थलाकृति का अध्ययन करने के लिए यह हमारे समय के लायक है। इस घंटे में, हम अपने विचारों को दो स्थलाकृतियों के बीच विभाजित करेंगे: मेसोपोटामिया और इज़राइल। बेशक, मेसोपोटामिया इज़राइल से बहुत बड़ा है।

यह प्राचीन निकट पूर्व की महान शक्तियों का स्रोत है। सबसे महान सभ्यताएँ सबसे पहले यहीं शुरू हुई होंगी, और इसलिए हम जो करना चाहते हैं वह आपको कुछ परिणाम की कई अलग-अलग चीजों के बारे में बताना चाहते हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, हरा-भरा क्षेत्र बड़ा है और यहां खेती की जा सकती है, लेकिन यह आपको आश्चर्यचकित कर देगा क्योंकि जिस क्षेत्र को हम देख रहे हैं, वह आधुनिक तुर्की, आर्मेनिया की तलहटी से लेकर सभी जगह है। दक्षिण की ओर, जितना अधिक आप दक्षिण की ओर जाते हैं, वर्षा उतनी ही भिन्न होती है, यह शुष्क होती जाती है, इसलिए यह प्रति वर्ष लगभग 16 इंच वर्षा से लेकर 8 इंच तक भिन्न होती है। खैर, आप वास्तव में 16 इंच वर्षा के आधार पर खेती नहीं कर सकते।

तो इसकी वजह से, भले ही मिट्टी बहुत उपजाऊ है, लेकिन खेती के लिए उनके पास पर्याप्त वर्षा नहीं है। तो, इसका मतलब यह है कि प्राचीन काल में, अधिकांश खेती नदियों के करीब की जाती थी। वे नदी से पानी उस ज़मीन पर ले जा सकते थे जिस पर वे रह रहे थे और इस तरह साधारण खेती कर सकते थे।

हालाँकि, जैसे-जैसे ये शहर बड़े होने लगे और इनकी आबादी अधिक होने लगी, उन्हें खेती के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता हुई, और तभी मानव ने सिंचाई के विचार को पकड़ा। तो, मैं जो करने जा रहा हूँ वह यह है कि यहां हमारी कक्षा में बोर्ड के पास जाऊंगा और बस आपके लिए एक साधारण सा चित्र बनाऊंगा कि यह सिंचाई कैसे काम करती है। तो, यदि आपके पास नदी है, और नदी इस तरह काम कर रही है, लेकिन आपके पास यहां शहर है, तो ठीक है, उन्होंने जो किया वह सिंचाई खाई खोदना है।

इन सिंचाई खाईयों में, समुदाय एक बड़ी खाई खोदने के लिए मिलकर काम करेगा, और फिर वे मुख्य सिंचाई खाई से सबलेट कर देंगे; वे इस तरह छोटी जलधाराओं को अपने अधीन कर लेंगे, और इस प्रकार, वे क्षेत्र की मात्रा को उस मूल केंद्रीय खाई से कहीं अधिक बढ़ा कर सकते हैं जिसे शहर ने विकसित किया होगा। तो, इसका परिणाम यह हुआ कि विद्वान इसे नदी-तट संस्कृति के रूप में संदर्भित करते हैं। यह एक ऐसी संस्कृति है जो नदियों के आसपास बनी है, और यह मध्य पूर्व में इसी तरह थी क्योंकि वहाँ पर्याप्त वर्षा नहीं होती है, और फिर भी वहाँ प्रचुर भूमि है।

तो, मेसोपोटामिया, आधुनिक इराक और मिस्र दोनों में, सभ्यताएँ नदियों के आसपास घूमती थीं, और उन्हें सिंचित करना पड़ता था। और इसलिए, मेसोपोटामिया में, उन्होंने ये खाइयाँ खोदीं, और खाइयों के कारण बहुत अधिक मात्रा में भूमि पर खेती करने की क्षमता पैदा हुई। और इसलिए, हम अभी दो बिंदु बना रहे हैं।

एक तो यह कि वर्षा अपर्याप्त है लेकिन पानी प्रचुर है। दो, मिट्टी बहुत उपजाऊ है, लेकिन इसे खेती योग्य बनाने का एकमात्र तरीका सिंचाई है। परिणामस्वरूप, इससे शहरीकरण और शहरों के विकास की घटना को बढ़ावा मिला।

बड़ी और बड़ी मात्रा में खेती करने के लिए, लोग स्पष्ट रूप से इन शहरी केंद्रों में एकत्र होंगे और फिर खेती योग्य क्षेत्र की मात्रा बढ़ाने के लिए सामुदायिक रूप से शामिल होंगे। इससे इस क्षेत्र में कई बड़े शहरों का विकास हुआ, यह सब इस महत्वपूर्ण वास्तविकता पर आधारित था कि यह पृथ्वी की सतह पर सबसे अच्छी ऊपरी मिट्टी में से कुछ थी। ऊपरी मिट्टी पूर्व में ज़ाग्रेस से और उत्तर में अनातोलियन पठार तक आई।

इससे खेती इतनी सफल हुई कि आधुनिक युग तक ऐसा नहीं हुआ, जब मनुष्य ने रासायनिक उर्वरक बनाना सीखा, कि हम इस कुंवारी मिट्टी में प्रति एकड़ मिल रहे बुशेल की तुलना करने और उससे अधिक करने में सक्षम थे - ऐसी मिट्टी जो पहले कभी नहीं थी लगाया। इसने उनकी संस्कृति को आर्थिक गतिशीलता में बदल दिया।

इसका मतलब यह था कि उनके पास कुछ ऐसा था जो बेहद दुर्लभ था। उनके पास भोजन की अधिकता थी। इस वास्तविकता ने वास्तव में मानव इतिहास को बदल दिया।

जैसे-जैसे हम भूगोल और मेसोपोटामिया के इस व्याख्यान में आगे बढ़ेंगे, हम इसके बारे में और अधिक बात करेंगे। वहाँ काफ़ी कृषि भूमि थी। मिट्टी अविश्वसनीय रूप से उपजाऊ थी।

उनके पास अतिरिक्त भोजन था, जो हमें ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण के बारे में हमारे चार्ट पर लौटने की याद दिलाता है। यहां अमेरिका में हमारी संस्कृति में, भोजन खरीदने के लिए वास्तव में उतने पैसे खर्च नहीं होते हैं।

अब, मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत ज्यादा खाने वाला नहीं हूँ, लेकिन मैं प्रति सप्ताह 20 डॉलर से भी कम भोजन पर गुजारा कर सकता हूँ। मेरी पत्नी आपको यह बता सकती है। यह बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।

अमेरिका में खाना सस्ता है, लेकिन प्राचीन काल में ऐसा नहीं था। आधुनिक संदर्भ में, भोजन परिवार के बजट का एक प्रमुख कारक है।

उनकी दुनिया में बहुत पैसा खर्च होता है। इसका मतलब यह था कि मेसोपोटामिया बेसिन को भारी भू-राजनीतिक लाभ था क्योंकि यह भोजन का उत्पादन कर सकता था और अंततः इसे निर्यात या व्यापार कारक के रूप में उपयोग कर सकता था। न केवल मिट्टी उपजाऊ थी, बल्कि नदियों के कारण वे व्यापार भी कर सकते थे।

उन दो नदियों, टाइग्रिस और यूफ्रेट्स का उपयोग नदी के ऊपर या नीचे भोजन भेजने के लिए किया जा सकता था। और इससे सभ्यता का विकास हुआ। और इसलिए, यह एक प्रमुख कारक है जो आपको दिखाता है कि स्थलाकृति कैसे इतिहास का निर्माण करती है।

प्रारंभिक सभ्यताएँ यहाँ की स्थलाकृति के कारण विकसित हुईं। और प्रारंभिक राजनीतिक वैश्विक संस्थाएँ, शक्तियाँ, धन के इस अधिशेष के कारण विकसित हुईं। तो यह एक महत्वपूर्ण कारक है, और यह हमें आगे ले जाता है... आइए मैं आपको इसका परिचय देता हूँ; मैं इसे लिटनी कहता हूँ।

मुझे यकीन नहीं है कि यह शब्द क्या है, लेकिन अगर आप मुझे अनुमति दें तो मैं इसे आपके लिए यहां बोर्ड पर लिखना चाहूंगा। यह इस प्रकार चलता है। हम इसे स्थलाकृति कहने जा रहे हैं।

स्थलाकृति के लिए सिंचाई की आवश्यकता होती है। पर्याप्त वर्षा नहीं है, बढ़िया मिट्टी है, पर्याप्त वर्षा नहीं है। हालाँकि, सिंचाई के लिए सामुदायिक प्रयास की आवश्यकता होती है।

तो, मेसोपोटामिया में सिंचाई से शहरीकरण होता है। दूसरे शब्दों में, केवल शहरी केंद्र ही मानव जाति की समृद्धि के लिए पर्याप्त सिंचाई बनाने हेतु जनशक्ति का उत्पादन कर सकते हैं। शहरीकरण, मैं यहां अपना तीर खींचने जा रहा हूँ लेकिन इसे इस तरह लिखूंगा।

शहरीकरण राजनीतिक रूप से केंद्रीकरण की ओर ले जाता है। दूसरे शब्दों में, महान शहरी केंद्रों के समाजशास्त्र को राजनीतिक प्रारूप में बदलाव की आवश्यकता थी, जो बाइबिल में बहुत महत्वपूर्ण है।

और उस परिवर्तन को मैं यहां उसकी अपनी श्रेणी में बड़े अक्षरों में रखने जा रहा हूँ: राजत्व। जैसे ही हम स्थलाकृति की इस चर्चा के माध्यम से अपना काम करते हैं, आप मेसोपोटामिया में देख सकते हैं कि स्थलाकृति के कारण शहरी केंद्रों का विकास हुआ, जिसके लिए एक अलग राजनीतिक व्यवस्था की आवश्यकता थी।

और उस प्रणाली ने राजसत्ता को जन्म दिया। और राजत्व, मैं आपके सामने समर्पण करूंगा, बेशक आपको इससे सहमत होने की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप राजत्व को ईश्वर के अस्तित्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन रूपक के रूप में सोचें। मेसोपोटामिया में राजत्व बहुत पहले ही शुरू हो जाता है।

इजराइल में यह अपेक्षाकृत देर से शुरू होता है। ठीक है, तो हम उस बारे में भी बात करेंगे। तो मैं तब आपको बता रहा था कि मिट्टी बहुत उपजाऊ है, लेकिन स्थलाकृति के लिए सहयोग की आवश्यकता होती है।

सहयोग नये समाजीकरण की ओर ले जाता है। और निस्संदेह, इससे राजत्व का विकास हुआ। तो यह एक महत्वपूर्ण कारक है।

आइए अपने मानचित्र पर वापस जाएं और मेसोपोटामिया की भौगोलिक वास्तविकताओं के बारे में थोड़ी और बात करें। मेसोपोटामिया, यदि आप इसे एक महिला के गर्भ जैसे रूपक में सोच सकते हैं, तो मेसोपोटामिया एक भौगोलिक क्षेत्र है जो आत्मनिर्भर है। इससे मेरा तात्पर्य यह है।

जब हम मेसोपोटामिया के मानचित्र को देखते हैं, तो हम पश्चिम को देखते हैं, आप सभी देख सकते हैं कि पश्चिम में लगभग अगम्य अरब रेगिस्तान है। इसका मतलब यह है कि यह पूरे क्षेत्र की पश्चिमी सीमा की प्रभावी ढंग से गारंटी देता है। इस पर पश्चिम से कभी भी आक्रमण नहीं होगा।

जब आप उत्तर के मानचित्र को देखते हैं, तो आपके पास भारी पर्वत श्रृंखलाएं होती हैं जो अनातोलिया, आधुनिक तुर्की को मेसोपोटामिया से अलग करती हैं। इसलिए, उत्तर से दक्षिण की ओर जाना कठिन हो जाता है। अब, मनुष्य ऐसा कर सकते हैं, लेकिन यह आसान नहीं है।

तो, इसमें एक प्राकृतिक सुरक्षात्मक बाधा है। किसी भी तरह से इसे उत्तर की ओर भली भांति बंद करके सील नहीं किया गया है, लेकिन यह उत्तर की ओर, उन पर्वत श्रृंखलाओं के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षात्मक बाधा है। जब आप पूर्व की ओर जाते हैं, तो आपके पास ज़ाग्रेस पर्वत होते हैं।

ज़ाग्रेस पर्वत, विशेष रूप से इसके ऊंचे हिस्सों में, पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व तक जाना बहुत कठिन है। फिर जब हम दक्षिण की ओर जाते हैं, तो आप देखते हैं कि आपके पास फारस की खाड़ी है। तो, वह जो करता है वह साम्राज्यों के जन्म के लिए एक भौतिक मैट्रिक्स बनाता है।

यह एक प्राकृतिक स्थलाकृतिक घटना है कि यह स्व-निहित क्षेत्र अंततः राजनीतिक रूप से एकजुट होगा और साम्राज्यों में परिणत होगा। तो, इसे ध्यान में रखते हुए, जब हम इस सब को देखते हैं तो हमारे पास एक ऐसा क्षेत्र होता है जिसमें यह एक खाद्य-उत्पादक डायनेमो है। तो, आइए इस मेसोपोटामिया क्षेत्र की कुछ अनोखी संपत्तियों के बारे में बात करें।

उनके पास बहुत सारा भोजन है, लेकिन वे मानव विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण कारकों से वंचित हैं। एक, उनके पास वस्तुतः कोई लकड़ी नहीं है। मनुष्य ने अपनी सभ्यताओं के निर्माण के

लिए लकड़ी पर लकड़ी पर इस तरह से भरोसा किया है जिसके बारे में हम वास्तव में ज्यादा नहीं जानते हैं।

हम बस बिल्डर्स मार्ट या लोवे या किसी अन्य स्थान पर जाते हैं और अपनी लकड़ी खरीदते हैं। तथ्य यह है कि प्राचीन काल में अटलांटिक महासागर से यूराल पर्वत तक का पूरा रास्ता अखंडित लकड़ी का एक विस्तार था। सहस्राब्दियों से, मनुष्यों ने उस क्षेत्र के अधिकांश भाग में वनों की कटाई कर दी है।

जिस संस्कृति में लकड़ी नहीं है, वहां वे क्या करते हैं? यह बाढ़ का मैदान है. ताड़ के पेड़, खजूर के पेड़ और इस तरह की चीजों के अलावा कोई इमारती लकड़ी नहीं है। खैर, उन्होंने मिट्टी से निर्माण किया क्योंकि उनके पास यही था।

उनके पास बहुत अधिक चट्टान नहीं थी, केवल मिट्टी थी। तो, इसका मतलब यह है कि उन्हें लकड़ी की कमी से परेशानी हो रही थी। दूसरे, कोई धातु नहीं है।

उस मानचित्र पर निकटतम धातु भंडार उत्तर में अनातोलिया में है, जहां लोहा है। लेकिन निःसंदेह, मनुष्य को लोहे को पिघलाने का तरीका जानने में हजारों साल लगेंगे। तांबे के भंडार हर जगह बिखरे हुए हैं, लेकिन उस पूरे बाढ़ क्षेत्र में कोई तांबा, कोई धातु नहीं है।

तो इसका मतलब है कि मानव संस्कृति की कुछ आवश्यक चीजें गायब थीं और ऐसा लगता है कि यह उन कारकों में से एक है जिसके परिणामस्वरूप लंबी दूरी का व्यापार हुआ। और लंबी दूरी का व्यापार उन नदियों के ऊपर और नीचे अपना रास्ता बनाता था, और इसलिए मेसोपोटामिया के लोगों को भरपूर भोजन मिलता था। उनके पड़ोसियों के पास कुछ अन्य चीजें थीं जिनकी उनकी संस्कृति में कमी थी, जैसे धातु और लकड़ी।

उन नदियों के कारण, लंबी दूरी का व्यापार संभव हो गया। तो, यह एक ऐसा क्षेत्र है जो विशिष्ट रूप से बंद है, जो इसे राजनीतिक रूप से एकीकृत और शक्तिशाली बनने में सक्षम बनाता है, लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसकी अपनी विशेष जलवायु और स्थलाकृति है। इसलिए, जब हम उत्तरी भाग से शुरुआत करते हैं, तो यह सर्दियों में अधिक गीला और ठंडा होता है।

जब हम दक्षिण की ओर अपना रास्ता बनाते हैं, तो जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यह शुष्क और गर्म होता जाता है। कई अमेरिकी जीआई आपको इस घटना के बारे में बता सकते हैं क्योंकि उनमें से कई लोग इतने लंबे समय तक इराक में लड़ते रहे। और इसलिए वह मेसोपोटामिया है।

और इसलिए मुझे यह बात स्पष्ट करने दीजिए। जैसा कि आप मेरी प्रस्तुति में बता सकते हैं, यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपने आप में एक क्षेत्र है। 2,000 वर्षों तक एक के बाद एक साम्राज्य सबसे पहले यहीं विकसित हुआ।

लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो कम से कम यात्रा उद्देश्यों के लिए, फर्टाइल क्रीसेंट से जुड़ा हुआ है। और इसलिए, यदि हम मानचित्र के शीर्ष पर जाते हैं, तो आप देख सकते हैं कि शीर्ष पर का क्षेत्र हरा है। और इसलिए, मनुष्य इस क्षेत्र में पूर्व-पश्चिम व्यापार कर सकते हैं।

यह सूखा है और यात्रा करना विशेष रूप से आसान नहीं है। लेकिन यात्रा पश्चिम से पूर्व और पूर्व से पश्चिम तक हो सकती है और हुई भी, लेकिन कुछ समय बाद तक नहीं। तो, यह हमारी चर्चा का पहला भाग है।

यह हमें यह बताने जा रहा है कि मेसोपोटामिया में महान साम्राज्य विकसित होंगे, और वे साम्राज्य अंततः उस देश को प्रभावित करेंगे जिसमें हमारी सबसे अधिक रुचि है, भले ही वह एक बहुत छोटा देश, इज़राइल हो। तो, हम जो करने जा रहे हैं वह यह है कि हम अपना ध्यान पश्चिम की ओर मोड़ें और इज़राइल के अद्वितीय भूगोल पर एक नज़र डालें और आपको बताएं कि यह भूमि मार्गों से जुड़ा हुआ है, जिसमें मनुष्य यात्रा कर सकते हैं, और तो पूरब पश्चिम से मिल सकता है, पश्चिम पूरब से मिल सकता है। हालाँकि, यह कई कारणों से एक मौलिक रूप से भिन्न स्थलाकृति है।

तो, इस स्थलाकृति के बारे में मैं आपको जो सुझाव दूंगा वह यह है कि यह अविश्वसनीय रूप से उपजाऊ नहीं है। इसमें कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो उपजाऊ हैं, लेकिन वे स्थानीयकृत हैं। ये घाटियाँ उपजाऊ हैं, लेकिन अधिकांश भाग चट्टानी हैं।

प्राचीन काल में यह वनाच्छादित था। वस्तुतः, लेबनान के देवदारों के बारे में लगभग सभी ने सुना है। बाइबल उनके बारे में बार-बार बात करती है।

खैर, ये देवदार हैं जो अब लगभग विलुप्त हो चुके हैं। उन्हें लगभग अंतिम देवदार तक काट दिया गया है। लेकिन यहीं इस ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र में देवदार हैं।

इसराइल में, वास्तव में, कोई देवदार नहीं थे। वहाँ अधिकतर ओक के पेड़ थे। लेकिन प्राचीन काल में, इस क्षेत्र में पेड़ थे, जो उन्हें उस तरह की चीजें बनाने में सक्षम बनाते थे जो मनुष्य लकड़ी से बना सकते हैं।

आप जानते हैं, यह मेरे ध्यान से बच गया, लेकिन यह मेरे पास वापस आ गया। चूँकि मैं टेप को रिवाइंड नहीं कर सकता, अगर मैं आपको थोड़ी देर के लिए अपने साथ मेसोपोटामिया वापस ले जा सकता, तो मैं आपको यह बताना भूल गया कि मेसोपोटामिया में एक समस्या थी। और यह एक ऐसी समस्या है जो विश्व इतिहास में बहुत बड़ी है।

और समस्या यह है कि जब सहस्राब्दियों तक इन खेतों को नदियों के पानी से उर्वरित किया गया, तो इसने प्रथम श्रेणी की पारिस्थितिक समस्या पैदा कर दी। इस पानी में, ज्यादातर, लेकिन विशेष रूप से नहीं, यहाँ आधुनिक तुर्की के अनातोलिया से आता है, उस पानी में खनिज भंडार अत्यधिक थे। दरअसल, हम सभी ने इज़राइल में मृत सागर के बारे में सुना है और यह भी सुना है कि इसमें खनिजों से भरपूर होने के कारण कैसे चीजें नहीं रहती हैं।

खैर, जब आप आधुनिक तुर्की में जाते हैं, तो वहाँ झीलें, बड़ी झीलें होती हैं, जो मृत सागर की तुलना में कहीं अधिक खारी होती हैं। तो, ये पहाड़, जो ऊपर आते हैं, खनिज छोड़ते हैं जिन्हें ये दोनों नदियाँ नीचे लाती हैं। वे खनिज उस पानी में हैं।

और इसलिए, जब उस पानी का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाता है, तो हर साल सिंचाई होती है, एक जमाव होता है, हम इसे खारा कहेंगे, एक खारा जमाव होता है और मिट्टी को नुकसान पहुंचाता है। अब, अगर वे समझ गए होते कि क्या हो रहा है, तो वे कम से कम मिट्टी के लवणीकरण को धीमा कर सकते थे। हमारे देश में हम जिस तरह से फसल काटते हैं उसे पंक्ति फसल कहते हैं।

आधुनिक मशीनरी के कारण आज किसान ज्यादातर इसी तरह काम करते हैं। पंक्ति फसल का मतलब है कि किसान एक छोटा सा टीला बनाता है, और फिर, टीले के शीर्ष पर आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके, वह यहाँ एक छेद खोदता है, या मशीन एक छेद खोदती है, और फिर बीज यहाँ लगाया जाता है। ठीक है? खैर, प्राचीन काल में वे फसलें पंक्तिबद्ध नहीं करते थे।

इनकी सिंचाई बाढ़ से होती है। और इसलिए इसके बजाय, ज़मीन समतल थी, बीज ज़मीन में डाले गए होंगे और फिर पानी बाढ़ के रूप में ज़मीन पर वितरित किया गया होगा। इसका मतलब यह है कि जिस मिट्टी को इस तरह संरक्षित किया जा सकता था वह लवणीकरण के अधीन थी।

दरअसल, जब लोग आज दक्षिणी मेसोपोटामिया या दक्षिणी इराक जाते हैं, तो उनके मन में अक्सर यह सवाल आता है कि कोई इस पर क्यों लड़ेगा। खैर, हम जानते हैं, कम से कम इराक के उत्तरी भाग में, ऐसा तेल के कारण है। लेकिन जब आप आज दक्षिणी इराक में देखते हैं, तो वहाँ की मिट्टी बहुत कम हरी है। और यह इस सिंचाई प्रक्रिया द्वारा सहस्राब्दियों तक मिट्टी को खारा बनाने का प्रत्यक्ष परिणाम है।

और इसलिए, यह एक महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक कारण है जो बताता है कि जो सभ्यताएँ इतनी महान थीं, उनका अंततः पतन क्यों हुआ और वे पहले पूर्व में फारस और फिर पश्चिम में भूमध्य सागर में स्थानांतरित हो गईं। यह बिजली के नुकसान का एक प्रमुख कारक था क्योंकि हर साल, गणितीय रूप से, फसल उत्पादन तब तक कम प्रभावी होता था, जब तक कि सहस्राब्दियों के दौरान, मिट्टी की उर्वरता बहुत कम नहीं हो जाती। तो, मिट्टी के लवणीकरण की इस समस्या ने फसल, खेत को बदल दिया है... वास्तव में, मिट्टी की ऊपरी सतह अब इतनी कठोर हो गई है कि सर्दियों के महीनों में, जब बारिश होती है, तो आप देखते हैं परिदृश्य और आप हर जगह पानी देखते हैं।

और जो लोग वहाँ यात्रा कर रहे हैं वे सोचते हैं कि उन्हें बहुत सारा पानी मिला है, जबकि वास्तव में, पानी वहाँ है क्योंकि वह उस खारे गुंबद के माध्यम से प्रभावी ढंग से रिस नहीं सकता है। इस प्रकार, हमारे पास यह समस्या है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ, और इसने अंततः अन्य बदलते पैटर्न के साथ-साथ दुनिया की शक्ति के लिए केंद्रीय क्षेत्र के रूप में मेसोपोटामिया के पतन का कारण बना। इसलिए, इसे छोड़ने के लिए मुझे क्षमा करें और हम इज़राइल वापस जाएंगे और आपको यहाँ इस क्षेत्र के बारे में समझाएंगे।

जैसा कि आप देख सकते हैं, इसलिए, मिट्टी बहुत अच्छी नहीं है लेकिन उस पर जंगल है, या कम से कम ऐसा था। और वहाँ कुछ धातु भंडार है, हालाँकि बहुत अधिक नहीं। तांबे का अधिकांश भंडार साइप्रस द्वीप से यहाँ आया था।

हमारा अंग्रेजी शब्द कॉपर साइप्रस नाम से आया है। यदि आप व्यंजन तांबे और साइप्रस को देखें, तो व्यंजन समान हैं। इसलिए, इस क्षेत्र में उतनी अच्छी ऊपरी मिट्टी नहीं है, लेकिन यह आबादी को बनाए रख सकती है।

इसमें जंगल हैं, जिसका अर्थ है कि यह उनका उपयोग घर बनाने के साथ-साथ जहाज या हथियार जैसी चीजें बनाने के लिए भी कर सकता है। और इसमें नमी है। सच तो यह है कि आप जितना उत्तर की ओर जाएंगे, क्षेत्र उतना ही अधिक गीला होगा।

आप जितना अधिक दक्षिण की ओर जाएंगे, उतना ही शुष्क होंगे। आप जितना पूर्व की ओर जाएंगे, उतना ही शुष्क होंगे। इसलिए, यदि हम इज़राइल के मानचित्र को देखें और वर्षा को देखें, तो हमें एक मानचित्र मिलता है जो हमें वर्षा में सचमुच अविश्वसनीय भिन्नता दिखाता है।

मैं पृथ्वी की सतह पर कोई विशेषज्ञ नहीं हूँ, लेकिन मुझे आश्चर्य नहीं होगा कि पृथ्वी की सतह पर ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ 100 मील इतना अंतर ला सके जितना इज़राइल में होता है। दूसरे शब्दों में, आप इसे देखने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन मानचित्र पर, मैं आपको बता सकता हूँ कि नीले क्षेत्र प्रति वर्ष 60 इंच नमी का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब, जैसा कि आप बता सकते हैं, मुझे विश्वास है कि वे पहाड़ी क्षेत्र हैं।

दरअसल, यह माउंट हर्मन है, जो लगभग 10,000 फीट ऊंचा है। लेकिन ऊंचाई के कारण, यहां के क्षेत्रों में, यह वर्जीनिया में होने वाली वर्षा की मात्रा का लगभग ढाई गुना है। आप देख सकते हैं कि इसमें एक बड़ा क्षेत्र है; मुझे यकीन नहीं है; मुझे लगता है कि यह एक प्रकार का पीला रंग है।

यह प्रति वर्ष 40 इंच से अधिक वर्षा है। यह वर्जीनिया में हमें जो मिलता है उससे लगभग दोगुना है। और फिर, जैसा कि आप देख सकते हैं, जैसे-जैसे आप आगे दक्षिण की ओर जाते हैं, भूरे रंग के विभिन्न रंगों में, भूरा रंग प्रति वर्ष लगभग 30 इंच बारिश से लेकर शायद 20 तक हो जाता है।

तो, जैसा कि आप बता सकते हैं, यह पूरा क्षेत्र जो इज़राइल का केंद्र है, फसल के लिए पर्याप्त वर्षा प्राप्त करता है। देखिये आप कितना दक्षिण की ओर जाते हैं? तो अगर हम आपको दिखाएं कि हम कितनी छोटी दूरी की बात कर रहे हैं, तो यहां से, जो कि हुला झील है, यहां से नीचे बेशर्बा तक, लगभग 100 मील है। 100 मील में, आप 60 इंच बारिश से 10 तक पहुँच जाते हैं।

क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है? यहां, आपके पास तट से केवल 70 मील की दूरी है, जहां आपको प्रति वर्ष 30 इंच बारिश हो रही है, जॉर्डन रिफ्ट तक, जहां आपको प्रति वर्ष 10 इंच बारिश हो रही है, यह सब केवल 50 या 60 के अंतराल में मील। तो, यह हमें जो बताता है वह दो सिद्धांत हैं जो इज़राइल की स्थलाकृति को कवर करते हैं। आप जितना अधिक उत्तर की ओर जाएंगे, यह उतना ही अधिक गीला होगा।

आप जितना ऊपर जाते हैं, यह उतना ही गीला होता जाता है। तो, इज़राइल इस बिल्कुल अनोखी घटना पर है जिसे कुछ विद्वान वर्षा रेखा कहते हैं। जैसा कि आप बता सकते हैं, वर्षा रेखा मोटे तौर पर देश से होकर गुजरती है।



इसलिए, यदि आप वर्षा रेखा के दक्षिण में हैं, जो उत्तर-दक्षिण रेखा पर कार्य करती है, यदि आप उस वर्षा रेखा के दक्षिण में हैं, तो पर्याप्त वर्षा होती है। लेकिन यदि आप वर्षा रेखा के उत्तर में हैं, तो क्षमा करें, मैं अपने बारे में भूल गया, वर्षा रेखा के उत्तर में, पर्याप्त वर्षा होती है। इसके दक्षिण में पर्याप्त वर्षा हो भी सकती है और नहीं भी।

वह वर्षा रेखा मोटे तौर पर उस चीज़ के मध्य से होकर गुजरती है जिसे हम इज़राइल कहते हैं। ठीक है? इसलिए हम स्थलाकृति के बारे में कुछ बातें सीख रहे हैं। हम यहां खाद्य उत्पादन के बारे में कुछ बातें सीखने जा रहे हैं जो इज़राइल को भी अलग बनाती हैं।

मेसोपोटामिया में, उनके खाद्य उत्पादन में, यह अनाज आधारित कृषि है, जिसमें लगभग विशेष रूप से गेहूं और जौ और कुछ सब्जियां उगाई जाती हैं। इज़राइल में, यह एक अलग स्थलाकृति है, जिसका अर्थ है कि उनकी फसलें अलग-अलग हैं। निश्चित रूप से, वे गेहूं और जौ उगाते हैं, लेकिन यह केवल वहीं प्रभावी ढंग से उगेगा जहां आपके पास अच्छी ऊपरी मिट्टी होगी।

जब हम इज़राइल को देखते हैं, तो हमारे पास पहाड़ों की संस्कृति है, जिसका अर्थ है कि बेलें उगाना न केवल संभव है बल्कि बेहतर भी है। पहाड़ों की परिघटना ऐसी है कि जैसी फसलें हम सोचते हैं, वे घाटियों के अलावा प्रभावी ढंग से नहीं उगाई जा सकतीं। लेकिन अंगूर उगाने के लिए पहाड़ लगभग बिल्कुल उपयुक्त हैं।

और इसलिए अंगूरों को बहुत अधिक नमी पसंद नहीं है, और उन्हें अत्यधिक गर्मी पसंद नहीं है, यही कारण है कि मेसोपोटामिया और मिस्र दोनों में, अंगूर उगाने का पूर्ण अभाव था। लेकिन जब इज़राइल की बात आती है, तो यह उसके लिए एकदम सही जलवायु है। हवाएँ अक्सर भूमध्य सागर से चलती हैं, और वे अपने साथ ठंडी हवाएँ लाती हैं।

और रात में, ओस जमा हो जाती है, जिससे अंगूर अपनी नमी प्राप्त करना पसंद करते हैं। यही कारण है कि जब आप अपना पुराना नियम पढ़ रहे होते हैं, तो आप ओस के बारे में बहुत अनुकूल शब्दों में पढ़ते हैं। जहां तक मुझे याद है, इसका कभी भी नकारात्मक चित्रण नहीं किया गया है।

तो, यह एक पूरी तरह से अलग फसल संस्कृति का निर्माण करता है। और इसलिए इज़राइल और उत्तर के क्षेत्रों, लेबनान में, यह एक ऐसा क्षेत्र है जो दो चीजें उगाने में सक्षम है। जैतून और अंगूर.

इन दोनों में लोगों को साल भर सेवाएं प्रदान करने की अद्भुत क्षमता है। इससे मेरा तात्पर्य यह है कि अंगूरों को सुखाकर किशमिश में बदला जा सकता है, जिसका अर्थ है कि वे सारी सर्दियाँ आपके पास रहेंगे। और इसका मतलब है कि आप मेसोपोटामिया में पूरी सर्दियों में फल खा सकते हैं, उनके पास ऐसा नहीं था।

तो, किशमिश सर्दियों के महीनों के लिए फल प्रदान करती है। दूसरे, जैतून उनकी संस्कृति के लिए बेहद महत्वपूर्ण लाभ है क्योंकि जैतून का पेड़ बहुत सारे फल पैदा करता है, और जैतून को खाया जा सकता है या तेल में बदला जा सकता है। दोनों धार्मिक कारणों से तेल उनकी संस्कृति

का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था क्योंकि इसका उपयोग आध्यात्मिक और धार्मिक संस्कारों में मनुष्यों का अभिषेक करने के लिए किया जाता था और, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि खाना पकाने और प्रकाश व्यवस्था के लिए किया जाता था।

तुम्हें पता है, जैतून का तेल होगा। तो, इन दो फसलों ने एक अलग संस्कृति और एक अलग जीवन शैली का निर्माण किया। इसका मतलब यह था कि इस क्षेत्र की संस्कृति मेसोपोटामिया से बिल्कुल अलग या काफी हद तक भिन्न थी।

जलवायु अलग है। वास्तव में ऊंचाई के कारण उन्हें सर्दी हो सकती है। वास्तव में, इज़राइल के बारे में सबसे आश्चर्यजनक चीजों में से एक जो मैं आपको प्रत्यक्ष रूप से बता सकता हूँ वह यह है कि यदि हम यहां अपने मानचित्र पर आते हैं, और यदि आपको मृत सागर की चोटी मिलती है, और आप पश्चिम की ओर जाते हैं, तो आप यरूशलेम आते हैं।

आप देखिए, जहां यरूशलेम पूर्व-पश्चिम रेखा पर है, मृत सागर के शीर्ष के साथ लगभग पूरी तरह से स्थित है। और यदि आप उस पर गौर करें, तो आप देख सकते हैं कि यरूशलेम से मृत सागर तक लगभग 12 से 15 मील की दूरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से वहां गया था जब यरूशलेम में 12 इंच बर्फ थी, और आप जॉर्डन रिफ्ट में 10 मील नीचे जाते हैं, और वे केले उगा रहे होते हैं।

क्योंकि जॉर्डन रिफ्ट समुद्र तल से 1,000 फीट नीचे है, यरूशलेम समुद्र तल से 2,500 फीट ऊपर है, तो हम पृथ्वी पर और कहां ऐसी जगह ढूंढेंगे जहां इतनी कम दूरी में इस तरह का स्थलाकृतिक परिवर्तन हो? इसके परिणामस्वरूप एक अलग जलवायु और एक अलग स्थलाकृति उत्पन्न होती है। जब तक हम इस क्षेत्र में उतरते हैं, तब तक इसे काफी हद तक नेगेव कहा जाता है, और यह काफी हद तक समतल है। तटीय मैदान समतल है।

इस क्षेत्र की स्थलाकृति पहाड़ी क्षेत्र के समान उत्तर-दक्षिण है। हमारे पास महान जॉर्डन रिफ्ट है, जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है, और फिर हमारे पास पहाड़ हैं।

परमेश्वर के लोगों के बारे में सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक, दुर्लभ अपवादों को छोड़कर, इज़राइल की कहानी है। यह ऐसे लोगों की कहानी है जो एकजुट नहीं थे। जब उन्होंने मिस्र छोड़ा, तो वे टूटे हुए होकर निकले।

वे अलग-अलग जनजातियों का एक समूह थे। कई बार, मूसा को उसे बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करनी पड़ी क्योंकि वे उसे मारने के लिए तैयार थे। जब वे रेगिस्तान से इज़राइल के वास्तविक देश में पहुँचते हैं, तो अंततः, वे सहयोग नहीं करते हैं।

वे एकजुट नहीं होते। हमने जोशुआ के समय में तुरंत पढ़ा कि वे एकजुट राजशाही की अवधि में ही खंडित हुए थे, लगभग 100 से अधिक वर्षों की अवधि जहां वे कभी एकजुट थे। खैर, दोस्तों, उनमें से एक कारण यह था कि वे इतने अलग क्यों थे, किसी भी तरह से एकमात्र कारण नहीं था, लेकिन उनके इतने अलग होने का एक कारण उनकी स्थलाकृति थी।

इससे इस क्षेत्र में यात्रा करना बहुत कठिन हो गया। आपके अलग-अलग क्षेत्र थे, जिसके कारण अलग-अलग जीवनशैली थी। थोड़े से क्षेत्र में ही उनकी अलग-अलग भाषा-बोलियाँ थीं। अलग-अलग होने के कारण संवाद करना कठिन हो गया।

इस्राएलियों की एक बाधा भूगोल थी, जो एकीकरण में सहायक नहीं थी। और इसलिए, यह अत्यधिक भिन्न जलवायु वाली अत्यंत विविध स्थलाकृति थी। तट के नीचे और जॉर्डन रिफ्ट में, इसे हम उपोष्णकटिबंधीय कहते हैं। जब हम मध्य पहाड़ी देश में पहुंचते हैं, तो वहां का माहौल बिल्कुल अलग होता है।

तो, इसका मतलब यह है कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जो स्वाभाविक रूप से एकजुट नहीं है। तो, इसके साथ, मैं आपको इस उपजाऊ क्रिसेंट घटना और व्यापार के बारे में समझाना चाहूंगा। भगवान ने अपने लोगों को पृथ्वी पर सभी स्थानों पर रखा, यह उन स्थानों में से एक नहीं है जहां मैंने उम्मीद की थी कि भगवान ने अपने लोगों को जमा किया होगा।

स्थलाकृतिक दृष्टि से, पृथ्वी पर परमेश्वर ने इस्राएलियों को वहाँ क्यों रखा होगा? खैर, मुझे लगता है कि ऐसे कई धार्मिक कारण हैं जो इसे महत्वपूर्ण बनाते हैं। एक तो यह है कि, धार्मिक दृष्टि से, जब आप विशेष रूप से पुराने नियम को पढ़ते हैं, तो ईश्वर इज़राइल को निर्भरता के उद्देश्यों के लिए एक भौगोलिक क्षेत्र में रख रहा है। दूसरे शब्दों में, ऐसा प्रतीत होता है कि ईश्वर जानता है कि ईश्वर के साथ उचित संबंध बनाने के लिए, मानव जाति को यह सीखना होगा कि वह उस पर निर्भर है।

खैर, अपने लोगों को दुनिया के इस हिस्से में रखकर, इज़राइल बहुत विशेष तरीकों से ईश्वर पर निर्भर है। विशेष रूप से दो. एक, मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ, वर्षा रेखा देश के ठीक मध्य से होकर गुजरती है।

तो, सब कुछ भगवान को करना होगा, मैं निश्चित रूप से नहीं जानता कि वह यह कैसे करेगा, लेकिन उसे बस इतना करना होगा कि वर्षा रेखा को हटा दें और इसराइल के अधिकांश भाग में अकाल पड़ जाएगा। इज़राइल को आशीर्वाद देने के लिए उसे बस इतना करना है कि वर्षा रेखा को दक्षिण की ओर ले जाएं और पूरे देश में पर्याप्त वर्षा हो सके। यह अत्यधिक भिन्न-भिन्न वर्षा वितरण क्षेत्र में है।

मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि भगवान अपने लोगों, इसराइल में इस आवश्यकता का निर्माण कर रहे थे कि उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए, उन्हें आज्ञाकारी होना चाहिए। जब आप पढ़ते हैं, विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण की पुस्तक, तो व्यवस्थाविवरण यह बहुत स्पष्ट करता है कि जिस तरह से उन्हें भगवान से सफलतापूर्वक संबंधित होना था वह भगवान द्वारा दिए गए कानूनों का पालन करना था, और यदि वे थे, तो भगवान उन्हें आशीर्वाद देंगे। दूसरी ओर, यदि वे अवज्ञाकारी थे, तो धर्मग्रंथों से पता चलता है कि कभी-कभी शापों का वर्णन करने के लिए पूरे अध्याय दिए जाते हैं जहां भगवान उन सभी शापों को सूचीबद्ध करते हैं जिन्हें वह भेजेंगे जिनमें से वह इज़राइल पर भेजने के लिए कुछ चुनेंगे।

और इसलिए, आशीर्वाद और शाप को दुनिया के इस हिस्से में वितरित करना बहुत आसान है, चाहे आप 20 मील उत्तर में हों या 20 मील दक्षिण में। जब हम बाइबल के बारे में सोचते हैं तो यह एक महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि ईश्वर चाहता है कि हम खुद पर निर्भर होने के बजाय उस पर निर्भर रहें। यह एक बहुत ही व्यावहारिक समस्या है जिसका हम आधुनिक दुनिया में सामना कर रहे हैं क्योंकि, एक आधुनिक दुनिया में, हम अपने जीवन को इस तरह से काम कर सकते हैं कि भगवान, मुझे लगता है, अपने लोगों को इस क्षेत्र में रखें क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है जो उनके पास होगा विशेष तरीकों से उस पर निर्भर रहना।

परमेश्वर उन्हें उनकी आज्ञाकारिता के लिए पुरस्कृत करके स्वयं को उदार दिखा सकता है, और वह उनकी अवज्ञा के लिए उन्हें दंडित करके स्वयं को दृढ़ दिखा सकता है। हालाँकि, यही एकमात्र कारण नहीं है कि इजराइल की स्थलाकृति ध्यान देने योग्य है। दूसरा स्थलाकृतिक क्षेत्र जिस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करता हूँ वह भूमि पुल है जहाँ कर्सर इंगित कर रहा है। यह छोटा सा 100 मील का क्षेत्र भूमि पुल है जो तीन महाद्वीपों को जोड़ता है।

तीनों महाद्वीपों को उत्तर या दक्षिण की ओर जाना है जिसे हम इजराइल कहते हैं। इसने इस क्षेत्र को प्राचीन और आधुनिक दोनों समय में पृथ्वी की पूरी सतह पर भूगोल के सबसे रणनीतिक हिस्सों में से एक बना दिया। मिस्रवासियों के लिए उत्तर की ओर जाने का कोई रास्ता नहीं था, यही एकमात्र रास्ता था जिससे वे जा सकते थे।

इजराइल से गुजरे बिना उनके पास उत्तर की ओर जाने का कोई रास्ता नहीं था। महान मेसोपोटामिया साम्राज्यों, विशेष रूप से असीरियन साम्राज्य की अवधि के दौरान, उनके पास जीतने के लिए जमीन के आखिरी टुकड़े तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था। ज़मीन का वह टुकड़ा मिस्र था।

इजराइल से गुजरे बिना ऐसा करने का उनके पास कोई रास्ता नहीं था। इसका मतलब था कि अचल संपत्ति का यह छोटा सा टुकड़ा अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली पड़ोसियों से घिरा हुआ था। आइए देखें कि क्या मैं वर्णन कर सकता हूँ।

आधुनिक भौगोलिक दृष्टि से, मुझे लगता है कि लगभग चार से पांच मिलियन इजरायली हैं। जब आप दक्षिण की ओर जाएंगे, यदि मेरी याददाश्त सही है, तो वहाँ 70 या 80 मिलियन मिस्रवासी होंगे। यह उस निराशाजनक स्थिति की एक आदर्श तस्वीर है जिसमें इस्राएली मिस्र के दक्षिण में या पूर्व में बहुत अधिक शक्तिशाली इकाई से घिरे हुए थे, अशूरियों के मामले में महान मेसोपोटामिया साम्राज्य, उसके बाद बेबीलोनियों और उसके बाद फारसियों, इन सभी की जनसंख्या इजराइल से कहीं अधिक थी।

तो, इसका मतलब यह है कि भगवान ने अपने लोगों को एक ऐसी जगह पर रखा है जो पूरी तरह से रणनीतिक है, जो उन शक्तियों से घिरा हुआ है जो स्थायी रूप से उनसे बड़ी हैं। वास्तव में, उसी वास्तविकता ने आज की आधुनिक दुनिया में अपनी जगह बना ली है क्योंकि स्वेज नहर की खुदाई के साथ, यह क्षेत्र, कई सौ वर्षों तक, पृथ्वी पर सबसे रणनीतिक स्थान था। एक समय में पृथ्वी की सतह पर अंतर्राष्ट्रीय नौवहन का दो-तिहाई भाग स्वेज नहर से होकर गुजरता था।

इसलिए, आधुनिक समय में भी, इज़राइल पृथ्वी पर सबसे रणनीतिक क्षेत्रों में से एक है। पचास के दशक में दुनिया की ताकतों की उंगलियां स्वेज नहर पर परमाणु बटन पर थीं। एक समय में, इजरायलियों ने लाल सागर के पार मिस्र तक के पूरे रास्ते पर विजय प्राप्त कर ली थी, और राष्ट्रपति आइजनहावर ने उनसे स्पष्ट शब्दों में कहा, कि वे पीछे मुड़ें और वापस जाएं।

यह एक ऐसा रणनीतिक क्षेत्र है. लेकिन कहानी के मेरे पसंदीदा हिस्सों में से एक इस तथ्य पर आपका ध्यान आकर्षित करना है कि यह क्षेत्र धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि मुझे लगता है कि भगवान ने अपने लोगों को यहां आंशिक रूप से रखा है ताकि वे इस बात के गवाह बन सकें कि वह पूरी दुनिया के लिए इज़राइल का इरादा रखते थे। . तीन महाद्वीपों के चौराहे पर बैठकर, इज़राइल पृथ्वी पर कुछ अन्य स्थानों की तरह ईश्वर के बारे में समाचार साझा करने की स्थिति में है।

और ईसाई धर्म से बहुत पहले पुराने नियम के समय में यह कोई दुर्घटना नहीं है कि भगवान ने योना की ओर से मिशनरी प्रयास का आदेश दिया। योना को इज़राइल छोड़ने और सुसमाचार को उत्तरी मेसोपोटामिया में ले जाने के लिए कहा गया था। मैं गॉस्पेल शब्द का प्रयोग कालानुक्रमिक रूप से करता हूँ।

यह नए नियम के संदर्भ में है लेकिन यह ईश्वर के बारे में समाचार है। यह अच्छी खबर है कि यदि नीनवे पश्चाताप करेंगे तो भगवान उन्हें माफ कर देंगे। इसलिए, जब हम इस स्थलाकृति को देखते हैं तो हम देख सकते हैं कि इज़राइल संपूर्ण प्राचीन विश्व के लिए ईश्वर का गवाह बनने के लिए पूरी तरह से स्थित था।

मिस्रवासी 200 मील दक्षिण में हैं। असीरिया उत्तर में 600 या 700 मील दूर है। इज़राइल अंततः दक्षिण के सुदूर क्षेत्रों का गवाह बनने की स्थिति में था।

यह कोई संयोग नहीं है कि सुलैमान के शासनकाल में, शीबा की रानी ने सुना कि ईश्वर इजराइल में क्या कर रहा है। और वह राजनयिकों को भेजती है और एक बैठक आयोजित करती है ताकि वे आएँ और अपनी आंखों से देखें। इसलिए, जब हम स्थलाकृति का अध्ययन करते हैं तो मैं आपको जो सुझाव दूंगा वह यह है कि यह क्षेत्र धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भगवान का इरादा था कि उसके लोग उस युग की दुनिया के गवाह बनें।

ऐसा न हो कि मैं अपने पाठ्यक्रम को अव्यवस्थित कर दूँ, क्या मैं आपको सुझाव दे सकता हूँ कि यह कोई संयोग नहीं है कि ईसाई धर्म इस क्षेत्र से उत्पन्न हुआ? एक अर्थ यह है कि ईसाई धर्म यरूशलेम में शुरू हुआ, और यरूशलेम में, सुसमाचार यहूदिया और फिर सामरिया तक फैल गया। और फिर यहाँ क्षेत्र के उत्तरी भाग में अन्ताकिया तक।

एंटीओक से, यह इथियोपियाई खोजे के रूप में उत्तरी अफ्रीका में भी फैल गया। जब तक अधिनियमों की पुस्तक में समय की वह छोटी सी तीस-वर्षीय खिड़की समाप्त होती है, तब तक ईसाई धर्म रोम तक फैल चुका होता है। यह पुराने और नए नियम दोनों में पुरातनता में भगवान की योजना का एक भौगोलिक केंद्रबिंदु है।

शायद यह आने वाले महीनों और वर्षों में उस उद्देश्य को पूरा करेगा। कौन जानता है कि परमेश्वर की योजना कैसे कार्यान्वित होगी। लेकिन जब हम बाइबल का अध्ययन करते हैं, तो दुनिया के संबंध में भगवान की योजना कैसे काम करती है, इसके लिए स्थलाकृति केंद्रीय है।

मैं सोचता हूँ कि भगवान द्वारा अपने लोगों को यहां रखने के लिए एक प्रशंसनीय मामला बनाया जा सकता है क्योंकि उनका इरादा था कि वे पूरी दुनिया के लिए गवाह बनें। अब यह एक सुखद विचार है। लेकिन अपने व्याख्यान के इस भाग को समाप्त करने से पहले मैं इज़राइल की स्थलाकृति के बारे में केवल एक बात का उल्लेख करना चाहता हूँ।

मुझे यकीन नहीं है कि इस समय हमारे पास कितना समय बचा है, लेकिन मैं बस आपको इसका परिचय दूंगा, और फिर हम इससे शुरू करेंगे और फिर अगले घंटे समाप्त करेंगे। मनुष्य का पृथ्वी से यातनापूर्ण रिश्ता रहा है। ऐसा लगता है मानो हमारी समृद्धि कई बार पृथ्वी की कीमत पर होती है।

तो, मैं आपसे इस घटना के बारे में बात करना चाहूंगा। मुझे आशा है कि मरने से पहले, मुझे आशा है कि आप इज़राइल जा सकेंगे। यह आपकी बाइबल को समझने की आपकी क्षमता को पूरी तरह से बदल देता है।

लेकिन जब आप जाएंगे, तो मुझे पूरा यकीन है कि आप देश को देखेंगे और कहेंगे कि अमेरिकी जीआई ने इराक जाने पर क्या कहा था। इस पर कोई क्यों लड़ेगा? आप इस क्षेत्र को देखेंगे और आश्चर्यचकित होंगे कि इस पूरे देश में मध्य इलिनोइस के एक काउंटी जितनी अच्छी कृषि भूमि क्यों नहीं है। अब, मैं हमारे अगले सत्र में आपके साथ उस घटना के बारे में बात करना चाहूंगा।

ध्यान से सुनने के लिए धन्यवाद और हम इसे अगले व्याख्यान में फिर से उठाएंगे।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 2 है, मेसोपोटामिया और इज़राइल की स्थलाकृति।